The ACHIEVERS IAS ACADEMY

LANGUAGE - HINDI

DAILY CURRENT AFFAIR

21 - 12– 2022

WEDNESDAY

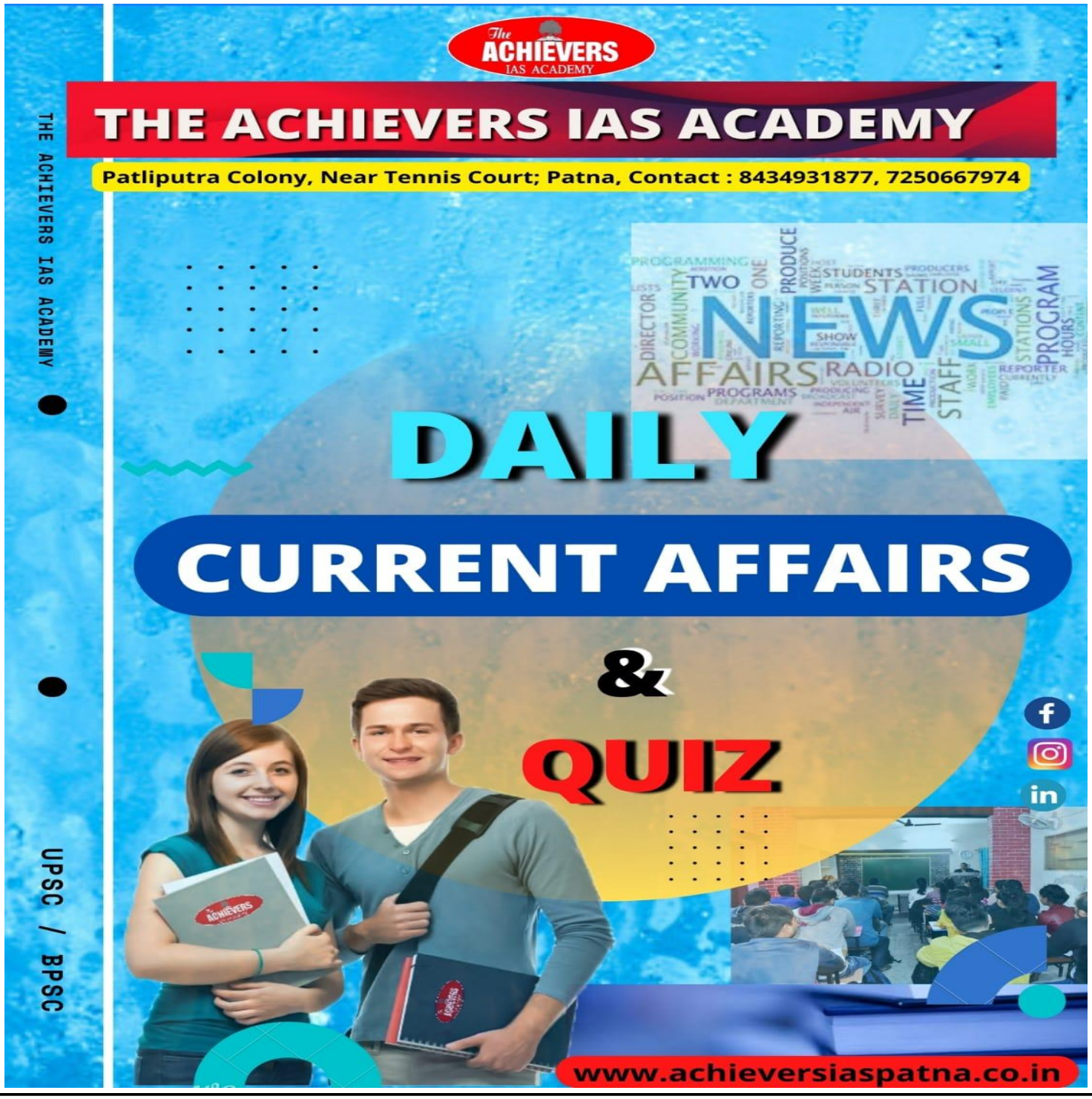

1. भारतीय नौसेना का आईएनएसवी तारिणी दक्षिण अफ्रीका में आयोजित केप ट रियो रेस में होगा शामिल

आईएनएसवी तारिणी केप टू रियो रेस 2023 के 50वें संस्करण में भाग लेने के लिए केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका के एक अभियान के लिए रवाना हुई है। इस समुद्री नौकायन दौड़ को केप टाउन से 02 जनवरी 2023 को झंडी दिखाई जाएगी और इसका समापन रियो डी जनेरियो, ब्राजील में होगा। यह दौड़ सबसे प्रतिष्ठित ट्रांस-अटलांटिक महासागर दौड़ में से एक है। अभियान को दो महिला अधिकारियों सहित पांच अधिकारियों के एक भारतीय नौसेना दल द्वारा संचालित किया जा रहा है।इस अभियान के दौरान गोवा से रियो डी जनेरियो के लिए केप टाउन और वापस जाने के दौरान, आईएनएसवी तारिणी लगभग 17000 नॉटिकल मील (लगभग 30000 किमी) की दूरी तय करेगी। इस ट्रांस-समुद्री यात्रा में 5-6 महीने की अवधि में चालक दल को भारतीय, अटलांटिक और दक्षिणी महासागरों के चरम मौसम और खराब समुद्री परिस्थितियों का सामना करना है।अभियान का उद्देश्य जहाज पर चालक दल को नेविगेशन, संचार, तकनीकी, योजना आदि सहित आवश्यक सीमैनशिप कौशल में प्रशिक्षित करना है। यह अभियान दुनिया के एकल परिक्रमा नौकायन अभियान के लिए जहाज पर सवार दो महिला अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिहाज से एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।समुद्र में नौकायन एक अत्यंत मुश्किल साहसिक खेल है। ये महासागर नौकायन अभियान भारतीय नौसेना की दुनिया भर में अपनी सौम्य उपस्थिति को प्रदर्शित करने की क्षमता को बढ़ाने के साथ-साथ रोमांच की भावना, जोखिम लेने की क्षमता को विकसित करने में मदद करते हैं। तदनुसार, भारतीय नौसेना नियमित रूप से सागर परिक्रमा, आईओएनएस 10वीं वर्षगांठ और बंगाल की खाड़ी के नौकायन अभियानों जैसे नौकायन अभियानों में भाग लेती रही है।आईएनएसवी तरिणी को 2017 में 'नाविका सागर परिक्रमा' नामक ऐतिहासिक अभियान में सभी महिला अधिकारी दल के साथ दुनिया भर में परिक्रमा करने के लिए जाना जाता है। वर्तमान अभियान में, जहाज की कप्तानी कैप्टन अतुल सिन्हा द्वारा की जा रही है, जिसमें लेफ्टिनेंट कमांडर आशुतोष शर्मा, लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के, लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए और सब लेफ्टिनेंट अविरल केशव चालक दल के सदस्यों के रूप में हैं।

2. अमेरिका द्वारा समलैंगिक विवाह विधेयक को दी गई मंजूरी

अमेरिका में समलैंगिक विवाह को मंजूरी मिल गई है। राष्ट्रपति जो बाइडन ने हाल ही में अमेरिकी संसद द्वारा पारित समलैंगिक विवाह संरक्षण विधेयक पर मंगलवार को दस्तखत कर दिए। बाइडन ने इस मौके पर कहा- 'आज अच्छा दिन है।' इससे पहले उन्होंने इस विधेयक का समर्थन करते हुए कहा था 'प्यार प्यार होता है।'समलैंगिक विवाह विधेयक को संघीय कानून के रूप में मंजूरी के मौके पर बाइडन ने ट्वीट किया, 'आज का दिन अच्छा है। आज अमेरिका ने समानता की दिशा में एक और कदम उठाया है। कुछ लोगों की स्वतंत्रता और न्याय के लिए नहीं, बल्कि सभी के लिए।'नया अमेरिकी कानून समान लिंग वाले लोगों के बीच विवाह को संघीय संरक्षण प्रदान करेगा। यह कानून अमेरिका के सभी राज्यों में भी समलैंगिक विवाह करने वाले युगलों को मान्यता देगा और उनके अधिकारों का संरक्षण करेगा। अमेरिकी संसद ने समलैंगिक सेक्स और अंतरनस्लीय या अंतरजातीय विवाह के संरक्षण के लिए कानून (Respect for Marriage Act) को मंजूरी दी थी। राष्ट्रपति के दस्तखत के साथ

ही यह कानून बन गया है। अमेरिका के निचले सदन में विधेयक पर हुए मतदान में विधेयक के समर्थन में 258 वोट पड़े, जबकि खिलाफ में 169। बड़ी बात यह रही कि विपक्षी रिपब्लिकन पार्टी के भी 39 सांसदों ने विधेयक का समर्थन किया। पिछले सप्ताह इस विधेयक को अमेरिकी सीनेट ने मंजूरी दी थी। वहां इसके पक्ष में 61 और खिलाफ 36 वोट पड़े थे। तब व्हाइट हाउस द्वारा जारी बयान में राष्ट्रपति बाइडन के हवाले से कहा गया था कि सदन द्वारा इस विधेयक को बड़े अंतर से पारित करने से एलजीबीटीक्यूआई + और अंतरनस्लीय विवाह करने वाले लाखों युगलों को मानसिक शांति मिलेगी। उनके अधिकारों और सुरक्षा की गारंटी दी गई है। वे और उनके बच्चे इसके हकदार हैं। बाइडन ने समलैंगिक विवाह की कानून वैधता के लिए संघर्ष करने वाले युगलों और वकीलों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय और संसद में राष्ट्रव्यापी विवाह समानता सुरक्षित करने के लिए दशकों तक संघर्ष किया।

3. तमिलनाडु सरकार ने "फ्रेंड्स ऑफ लाइब्रेरी" कार्यक्रम किया

तमिलनाडु सरकार ने "फ्रेंड्स ऑफ लाइब्रेरी" कार्यक्रम शुरू किया, जिसके माध्यम से किताबें सीधे उन लोगों को प्रदान की जाएंगी जो राज्य द्वारा संचालित पुस्तकालयों तक पहुंचने में असमर्थ हैं। कार्यक्रम के संस्थापक, स्कूल शिक्षा मंत्री अनिल महेश पोय्यामोझी ने कहा कि इसके लिए स्वयंसेवकों की सेवाओं का उपयोग किया जाएगा। यह परियोजना उन लोगों को लाभान्वित करेगी जो पुस्तकालयों का उपयोग नहीं कर सकते हैं, जैसे कि विकलांग, बुजुर्ग, बच्चे और अस्पताल में भर्ती मरीज। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवक इन लोगों को पुस्तकालयों से किताबें देंगे।प्राप्तकर्ताओं को संबंधित पुस्तकालय के साथ पंजीकृत होना चाहिए। कार्यक्रम के शुरुआती चरण में 31 जिला पुस्तकालयों सहित 2,500 पुस्तकालयों को शामिल किया जाएगा। इस तरह की पहल का उद्देश्य ज्ञान आधारित समाज को बढ़ावा देना था। राज्य के खाद्य मंत्री आर सक्करापानी, जिला कलेक्टर डॉ एस विशाखान और अन्य ने भाग लिया।सार्वजनिक पुस्तकालय निदेशालय प्रत्येक पुस्तकालय के लिए पांच स्वयंसेवकों का चयन करेगा और स्वयंसेवक पाठकों के दरवाजे पर किताबें पहुंचाएंगे और किताबों और पढ़ने के महत्व पर जनता के बीच जागरूकता पैदा करेंगे. अगले सप्ताह जिला स्तर पर पुस्तकालयाध्यक्षों की बैठक होगी और फिर स्वयंसेवकों के चयन की अधिसूचना जारी की जाएगी.

4. ईएसी-पीएम ने जारी किया सामाजिक प्रगति सूचकांक- 2022

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) ने राज्यों के सामाजिक प्रगति सूचकांक (एसपीआइ) को लेकर एक रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट में एक तरफ जहां पुडुचेरी, लक्षद्वीप और गोवा का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा है, वहीं, झारखंड और बिहार का प्रदर्शन सबसे खराब आंका गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, झारखंड का एसपीआइ स्कोर सबसे कम 43.95 और बिहार का एसपीआइ स्कोर 44.47 रहा है। रिपोर्ट में 36 राज्यों एवं संघ-शासित प्रदेशों और देश के 707 जिलों को सामाजिक प्रगति के विभिन्न मानकों पर उनके प्रदर्शन के आधार पर आंका गया।पुडुचेरी का देश में उच्चतम एसपीआई स्कोर 65.99 है, जिसका श्रेय व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पसंद, आश्रय, और जल व स्वच्छता जैसे घटकों में इसके उल्लेखनीय प्रदर्शन को दिया जाता है। लक्षद्वीप और गोवा क्रमशः 65.89 और 65.53 के स्कोर के साथ इसके पीछे हैं। झारखंड और

बिहार ने सबसे कम, क्रमशः 43.95 और 44.47 स्कोर किया।बुनियादी मानवीय आवश्यकताओं के अच्छे परिमाण के लिए गोवा, पुडुचेरी, लक्षद्वीप और चंडीगढ़ अन्य राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों की तुलना में जल और स्वच्छता और आश्रय में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले शीर्ष चार राज्य हैं। इसके अलावा, गोवा ने जल और स्वच्छता के दम पर अधिक स्कोर हासिल किया है, इसके बाद केरल पोषण और बुनियादी चिकित्सा देखभाल जैसे मामलों में बेहतरीन है। आश्रय और व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए चंडीगढ़ और नागालैंड क्रमशः प्रबल दावेदार के रूप में उभरे हैं।मिजोरम, हिमाचल प्रदेश, लद्दाख और गोवा कल्याण की नींव के लिए सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्यों के रूप में उभरे हैं। बेसिक नॉलेज घटक तक पहुंच के आयाम के भीतर पंजाब का उच्चतम घटक स्कोर 62.92 है, जबकि दिल्ली 71.30 के स्कोर के साथ सूचना और संचार तक पहुंच की सूची में सबसे ऊपर है। स्वास्थ्य और कल्याण के लिए राजस्थान का उच्चतम घटक स्कोर 73.74 है। पर्यावरणीय गुणवत्ता के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र के शीर्ष तीन राज्य मिजोरम, नागालैंड और मेघालय हैं।कि असम, बिहार और झारखंड ने स्वास्थ्य और कल्याण, व्यक्तिगत आजादी और पसंद, सरकारी योजनाओं में अधिक लोगों की भागीदारी और व्यक्तिगत अधिकार के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया है, लेकिन इन्हें पोषण और बुनियादी चिकित्सा देखभाल, सूचना और संचार की लोगों तक पहुंच और अधिक सामाजिक प्रगति के लिए उन्नत शिक्षा तक पहुंच के क्षेत्र में अब भी अच्छा करने की जरूरत है।

5. पहला पनडुब्बी रोधी जहाज 'अर्नाला' को चेन्नई में किया लॉन्च

भारतीय नौसेना के लिए एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट प्रोजेक्ट के तहत बनाया गया पहला जहाज 'अर्णाला' मंगलवार को समुद्र में उतार दिया गया। कट्टूपल्ली, चेन्नई में लॉन्च किये गए जहाज ने बंगाल की खाड़ी के पानी के साथ अपना पहला संपर्क बनाया। नौसेना की समुद्री परंपरा को ध्यान में रखते हुए अथर्ववेद के मंत्रोच्चारण के साथ जहाज का शुभारंभ किया गया। रणनीतिक समुद्री महत्व को दर्शाने के लिए जहाज का नाम 'अर्णाला' रखा गया है।नौसेना प्रवक्ता कमांडर विवेक मधवाल के मुताबिक भारतीय नौसेना के लिए कोलकाता के गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) में एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट (एएसडब्ल्यू एसडब्ल्यूसी) प्रोजेक्ट के तहत 8 जहाज बनाये जा रहे हैं। इनमें से पहला जहाज 'अर्णाला' आज रक्षा मंत्रालय की वित्तीय सलाहकार (रक्षा सेवाएं) रसिका चौबे ने लॉन्च किया। नौसेना की समुद्री परंपरा को ध्यान में रखते हुए रसिका चौबे ने अथर्ववेद के मंत्रोच्चारण के साथ जहाज का शुभारंभ किया। लॉन्च समारोह में बंगाल की खाड़ी में पानी के साथ अपना पहला संपर्क बनाया।मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज ने वसई, महाराष्ट्र से लगभग 13 किलोमीटर उत्तर में स्थित अरनाला द्वीप को दिए गए रणनीतिक समुद्री महत्व को दर्शाने के लिए जहाज का नाम 'अर्णाला' रखा गया है। रक्षा मंत्रालय और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स के बीच आठ एएसडब्ल्यू एसडब्ल्यूसी जहाजों के निर्माण के लिए 29 अप्रैल, 2019 को अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे। 'अर्णाला' वर्ग के जहाज भारतीय नौसेना के अभय वर्ग एएसडब्ल्यू जहाजों की जगह लेंगे और पनडुब्बी रोधी संचालन करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। यह जहाज 900 टन वजन के साथ 25 समुद्री मील की अधिकतम गति से चल सकते हैं। इन जहाजों में 80% से अधिक स्वदेशी सामग्री होगी।

6. यूथ को : लैब इंडिया के 5वां संस्करण का किया गया लॉन्च

नीति आयोग और यूएनडीपी इंडिया ने को संयुक्त रूप से एशिया-प्रशांत क्षेत्र के सबसे बड़े युवा नवाचार अभियान, यूथ को:लैब का 5वां संस्करण लॉन्च किया। डॉ. चिंतन वैष्णव, मिशन निदेशक एआईएम, नीति आयोग और डेनिस करी, डिप्टी रेजिडेंट रिप्रेजेंटेटिव, यूएनडीपी इंडिया द्वारा इस संस्करण के आवेदन लॉन्च किए गए।नीति आयोग के अटल नवाचार मिशन के मिशन निदेशक डॉ. चिंतन वैष्णव ने इस कार्यक्रम में कहा, "उद्यमी; सामाजिक परिवर्तन का नेतृत्व करने और एसडीजी लक्ष्य कार्यों को पूरा करने के अभियान को तेज करने में एक शक्तिशाली ताकत हैं। युवा, दुनिया को बदलने के लिए विचार और उत्साह से भरे होते हैं, उन्हें हरेक तरह के अवसर प्रदान करने से स्थायी परिवर्तन हो सकता है। इसलिए, मैं अपने सभी युवा नवोन्मेषकों और उद्यमियों को इस अविश्वसनीय अवसर में भाग लेने के लिए आमंत्रित करता हूं, ताकि उनकी रचनात्मकता को सामने लाया जा सके और यूथ को:लैब के माध्यम से समाधान तैयार किए जा सकें।" यूथ को:लैब, यूएनडीपी इंडिया द्वारा अटल नवाचार मिशन, नीति आयोग के साथ साझेदारी में 2019 में शुरू की गई एक पहल है और इसका उद्देश्य एशिया-प्रशांत देशों के लिए एक आम एजेंडा स्थापित करना है, ताकि नेतृत्व, सामाजिक नवाचार और उद्यमिता के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के कार्यान्वयन में तेजी लाने हेतु युवाओं के लिए निवेश किया जा सके और उन्हें सशक्त बनाया जा सके।यूएनडीपी इंडिया के साथ अटल नवाचार मिशन, इस अभियान को यूथ को:लैब इंडिया के पांचवें संस्करण के माध्यम से आगे बढ़ा रहा है और युवा सामाजिक उद्यमियों का समर्थन कर रहा है, जो सामाजिक परिवर्तन का नेतृत्व करने और एसडीजी लक्ष्य कार्यों के कार्यान्वयन को आगे बढ़ाने में एक शक्तिशाली ताकत हो सकते हैं।यूथ को:लैब पहल, अभी तक, 28 देशों और क्षेत्रों में लागू की गई है, जिसमें 200,000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया है, 11,000 से अधिक युवा सामाजिक उद्यमी लाभान्वित हुए हैं और इसके जरिये 1,240 से अधिक सामाजिक उद्यमों का समर्थन किया जा रहा है।यूएनडीपी इंडिया के डिप्टी रेजिडेंट रिप्रेजेंटेटिव डेनिस करी ने युवा और महत्वाकांक्षी उद्यमियों के लिए इन महान अवसरों के बारे में कहा, "नवाचार और सामाजिक उद्यमिता के माध्यम से देश की कुछ गंभीर समस्याओं को हल करने के लिए युवा लोगों के पास विचार और क्षमता विद्यमान होती है। यूएनडीपी, अटल नवाचार मिशन, नीति आयोग के साथ यूथ को:लैब के 5वें संस्करण को लॉन्च करने के प्रति उत्साहित है और यह युवा तथा मौजूदा उद्यमियों को लोक कल्याण के लिए समाधान पेश करने का एक मंच प्रदान करता है। यह सामाजिक उद्यमिता और नवाचार के माध्यम से भारत के सबसे गंभीर मुद्दों को हल करने के लिए युवाओं के साथ शुरू की गयी एक अनूठी पहल है।"

7. जापान द्वारा वर्ष 2025 के बाद बनने वालों घरों पर सोलर पेनल अनिवार्य किया

जापानी राजधानी की स्थानीय विधानसभा द्वारा पारित एक नए नियम के अनुसार, अप्रैल 2025 के बाद बड़े पैमाने पर घर बनाने वालों द्वारा निर्मित टोक्यो में सभी नए घरों को घरेलू कार्बन उत्सर्जन में कटौती के लिए सौर ऊर्जा पैनल स्थापित करना होगा। वर्तमान में, जापान दुनिया की सबसे बड़ी कार्बन उत्सर्जक सूची में पांचवें स्थान पर है।स नए नियम के अनुसार नए बने घरों के लिए लगभग 50 प्रमुख बिल्डरों को 2,000 वर्ग मीटर (21,500 वर्ग फुट) तक के घरों को नवीकरणीय ऊर्जा ऊर्जा स्रोतों, मुख्य रूप से सौर पैनलों से लैस करने की आवश्यकता है।टोक्यो के गवर्नर युरिको कोइके ने यह भी कहा कि शहर में केवल 4% इमारतों में ही सौर पैनल स्थापित किए जा सकते हैं। हालांकि, टोक्यो मेट्रोपॉलिटन सरकार का लक्ष्य

2,000 स्तरों की तुलना में 2030 तक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को आधा करना है।जापान दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा कार्बन उत्सर्जक है। देश ने 2050 तक कार्बन तटस्थता प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध किया है। हालांकि, इसमें कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि 2011 फुकुशिमा आपदा के चलते जापान ने अपने अधिकांश परमाणु रिएक्टरों के बाद कोयले से जलने वाली थर्मल पावर पर भारी भरोसा किया है।

8. पाणिनी के 2500 वर्ष पुराने संस्कृत नियम को डॉ. ऋषि राजपोपत द्वारा किया गया डीकोड

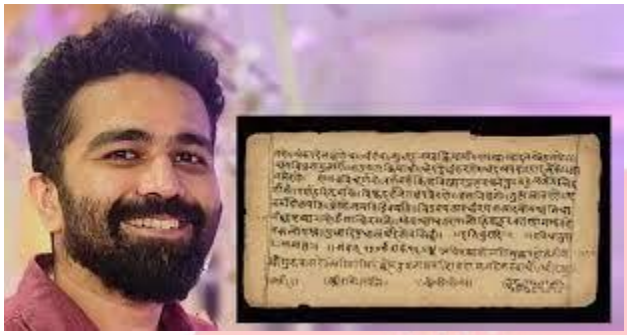

कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के एक PhD उम्मीदवार ने ढाई हजार साल पुरानी अष्टाध्यायी में व्याकरण की समस्या को हल किया है। इसे छठी या पांचवीं शताब्दी ईसा पूर्व के आसपास संस्कृत के महान विद्वान पाणिनी ने लिखा था। जिस PhD उम्मीदवार ने इस समस्या को हल किया है उनका नाम डॉ ऋषि राजपोपत (27) है। 4000 सूत्रों वाला अष्टाध्यायी संस्कृत के पीछे के विज्ञान की व्याख्या करता है। अष्टाध्यायी में मूल शब्दों से नया शब्द बनाने के नियम मौजूद हैं। लेकिन इसके नियमों में अक्सर विरोध नजर आता है।इसका प्रयोग कर आप संस्कृत के किसी भी शब्द के आधार और प्रत्यय को भर सकते हैं और व्याकरण की दृष्टि से सही शब्द और वाक्य बना सकते हैं। हालांकि पाणिनी के दो या दो से अधिक व्याकरण नियम एक ही समय में लागू हो सकते हैं, जो अक्सर भ्रम पैदा करते हैं। इसके कारण पैदा होने वाली कठिनाई को सुलझाने की कोशिश होती रही है। शब्दों को बनाते समय नियम आपस में न टकराएं इसके लिए पाणिनी ने अष्टाध्यायी में ही नियम बताया था, जिसे मेटा रूल भी कहते हैं। अभी तक इसकी व्याख्या ऐसे की जा रही थी कि दो सूत्रों के बीच विरोधाभास पर व्याकरण क्रम के बाद आने वाला फॉर्मूला लागू होगा।व्याकरण की दृष्टि से मेटा रूल भी गलत परिणाम देता है। अपनी PhD थीसिस में डॉ. राजपोपत ने इस पुरानी व्याख्या को खारिज कर दिया है। वह मेटा रूल की आसान व्याख्या करते हैं। उनके मुताबिक पाणिनी का नियम कहता है कि किसी शब्द के बाएं और दाएं पक्ष पर लगने वाले नियमों में हमें दाईं ओर लगने वाले नियम को चुनना चाहिए। इस तर्क के इस्तेमाल से डॉ. राजपोपत ने पाया कि अष्टध्यायी एक सटीक 'भाषा मशीन' के रूप में काम कर सकती है, जो लगभग हर बार व्याकरण की दृष्टि से नए शब्दों और वाक्यों का निर्माण करेगी।

ONE LINER

भारत का पहला गैस प्राइस इंडेक्स, किसके द्वारा लांच किया गया है- इंडियन गैस एक्सचेंज

हाल ही में भारत की कितनी साइट्स यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज की टेंटेटिव लिस्ट में शामिल किया गया है- तीन

इंडियन नेवी द्वारा लॉन्च किए गए एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट (ASW-SWC) प्रोजेक्ट के पहले जहाज का नाम क्या है- अर्नाला

हाल ही में लांच हुए भारत के पहले ग्रीन स्टील ब्रांड का नाम क्या है- कल्याणी फेरेस्टा

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने डिजिटल इंडिया अवार्ड्स 2022 में कौन सा अवार्ड जीता है- प्लेटिनम आइकन

हाल ही में चीन में चर्चा में रहे, ओमिक्रॉन के सब-वैरिएंट का नाम क्या है- 7

गुजरात के किस वन्यजीव अभयारण्य को एशियाई शेरों के दूसरे संभावित निवास के रूप में पहचान की गयी है-बरदा वन्यजीव अभयारण्य

QUIZ

1. भारतीय नौसेना द्वारा लॉन्च किए गए एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट (ASW-SWC) प्रोजेक्ट के पहले जहाज का नाम क्या है?

(a) आईएनएस वगीर

(b) आईएनएस अर्नाला
(c) आईएनएस मोरमुगाओ
(d) आईएनएस विक्रांत
- : आईएनएस अर्नाला एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट (ASW-SWC) प्रोजेक्ट का पहला जहाज, INS अर्नाला 20 दिसंबर, 2022 को भारतीय नौसेना के लिए गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स, GRSE द्वारा कट्टुपल्ली, चेन्नई में लॉन्च किया गया। 29 अप्रैल, 2019 को रक्षा मंत्रालय और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (GRSE), कोलकाता के बीच आठ ASW-SWC जहाजों के निर्माण के लिए समझौता हुआ था।

2. ज्योतिरादित्य सिंधिया ने देश के पहले ग्रीन स्टील ब्रांड को लांच किया इसका नाम क्या है?

(a) कल्याणी फेरेस्टा
(b) ज़ेरेमिस
(c) एचबीआईएस समूह
(d) इबरड्रोला

Explanation - : कल्याणी फेरेस्टा स्टील मिनिस्टर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भारत के पहले ग्रीन स्टील ब्रांड-कल्याणी फेरेस्टा को लॉन्च किया है. इस ग्रीन स्टील ब्रांड का निर्माण पुणे स्थित कल्याणी समूह द्वारा किया गया है. भारत में यह अपनी तरह की एक नई पहल है. इस ग्रीन स्टील ब्रांड का निर्माण पुणे स्थित कल्याणी समूह द्वारा किया गया है जो पूर्ण रूप से नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों के उपयोग से तैयार किया गया है.

3. NAAC द्वारा A ग्रेड प्राप्त करने वाला भारत का एकमात्र विश्वविद्यालय कौन सा है?

(a) दिल्ली विश्वविद्यालय
(b) महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय
(c) गुरु नानक देव विश्वविद्यालय
(d) चंडीगढ़ विश्वविद्यालय

Explanation - : गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर ने राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (NAAC) ग्रेडिंग में 3.85 अंक के साथ A ग्रेड प्राप्त किया है, और A ग्रेड प्राप्त करने वाला भारत का पहला विश्वविद्यालय बन गया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने संस्था की इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि यह सबकी मेहनत का फल है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि राज्य का मान बढ़ाने के लिए राज्य के सभी विश्वविद्यालय गुरु नानक देव विश्वविद्यालय का अनुसरण करेंगे।

4. आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने डिजिटल इंडिया अवार्ड्स 2022 में कौन सा पुरस्कार जीता है?

(a) प्लेटिनम आइकन
(b) ब्रांज आइकन
(c) गोल्ड आइकन
(d) सिल्वर आइकन

Explanation - :प्लेटिनम आइकन स्मार्ट सिटीज मिशन, आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने अपने प्रयास "डेटास्मार्ट सिटीज: एम्पावरिंग सिटीज़ वाया डेटा" के लिए डिजिटल इंडिया अवार्ड्स 2022 में प्लेटिनम आइकन जीता है। इस पुरस्कार की घोषणा 'डेटा शेयरिंग एंड यूज फॉर सोशियो-इकोनॉमिक डेवलपमेंट' श्रेणी में की गई।

5. किस देश ने इंडियन पॉवर मार्किट से बिजली की आपूर्ति के लिए पीटीसी इंडिया के साथ साझेदारी की है?

(a) चीन
(b) जापान
(c) बांग्लादेश
(d) भूटान

Explanation - : भूटान ने ड्रक ग्रीन पावर कॉरपोरेशन के माध्यम से सूखे सर्दियों के मौसम में भारतीय बिजली बाजार से बिजली खरीदने के लिए पीटीसी इंडिया के साथ समझौता किया है। भूटान

जल्द ही पीटीसी के माध्यम से भारतीय बिजली बाजार से 600 मेगावाट तक बिजली प्राप्त करना शुरू कर देगा।

6. किस संस्था ने 'कोयला 2022: विश्लेषण और 2025 तक का पूर्वानुमान' शीर्षक से रिपोर्ट जारी की?

(a) विश्व बैंक

(b) इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी

(c) UNEP

(d) FAO

Explanation - : इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (IEA) ने 'कोयला 2022: विश्लेषण और 2025 का पूर्वानुमान' शीर्षक से एक शोध प्रकाशित किया। इसमें कहा गया है कि वैश्विक कोयले की खपत 2022 में सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचने की उम्मीद है, जो ज्यादातर भारत, यूरोपियन यूनियन (EU) और कुछ हद तक चीन में कोयला बिजली के विस्तार से प्रेरित है। चीन, भारत और दक्षिण पूर्व एशिया में कोयले के उपयोग में सबसे बड़ी वृद्धि देखने की उम्मीद है। वर्ष 2022 में वैश्विक कोयले की खपत 1.2% बढ़ने की उम्मीद है, जो एक साल में पहली बार 8 बिलियन टन से ऊपर है।

7. किस देश ने शांति सैनिकों के खिलाफ अपराधों के लिए जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए 'ग्रुप ऑफ फ्रेंड्स' लॉन्च किया है?

(a) बांग्लादेश

(b) चीन

(c) श्रीलंका

(d) भारत

Explanation - : अपने वर्तमान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के नेतृत्व के दौरान, भारत ने शांति सैनिकों के खिलाफ अत्याचारों के लिए उत्तरदायित्व का पालन करने के लिए 'ग्रुप ऑफ फ्रेंड्स' बनाया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने घोषणा की कि नई दिल्ली में जल्द ही एक डेटाबेस होगा जो शांति सैनिकों के खिलाफ सभी अत्याचारों को रिकॉर्ड करेगा। इस समूह के सह-अध्यक्ष भारत, बांग्लादेश, मिस्र, फ्रांस, मोरक्को और नेपाल हैं। भारत, संयुक्त राष्ट्र शांति सेना में सबसे महत्वपूर्ण सैन्य योगदानकर्ताओं में से एक है, जिसने ड्यूटी के दौरान 177 शांति सैनिकों को खो दिया है।

.